University in News on 26 August 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

16 को फार्मेसी भवन का उद्घाटन मिलेंगी 13 विशिष्ट प्रयोगशालाएं

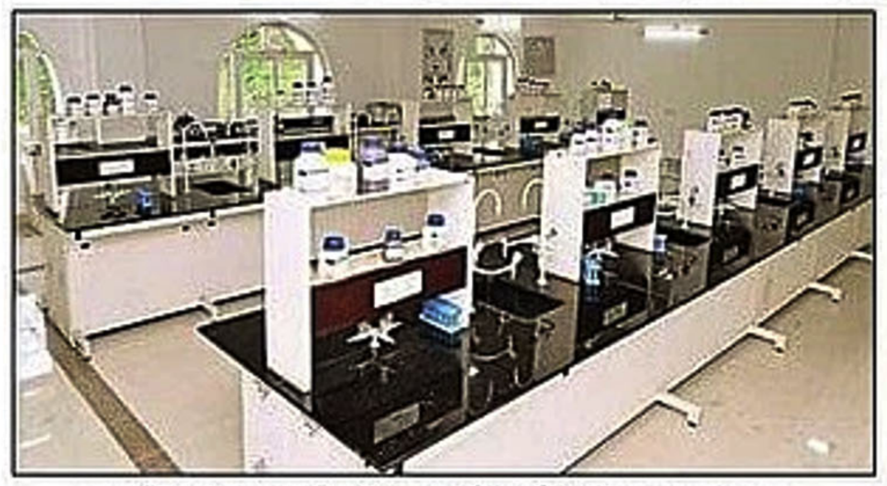

लविवि में फार्मेसी संकाय की नई प्रयोगशाला। संवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फॉर्मेसी संकाय को इसी महीने अपना नया भवन मिल जाएगा। नए भवन में आधुनिक सुविधाओं के साथ ही विद्यार्थियों के लिए 13 विशिष्ट प्रयोगशालाएं भी होंगी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 16 सितंबर को विवि के दीक्षांत समारोह के दौरान नए भवन का उद्घाटन करेंगी। लविवि प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस लैब में विभिन्न विषयों की 13 प्रयोगशालाओं के साथ ही दो लेक्चर थिएटर, आठ क्लासरूम, दो इक्युपमेंट रूम, एक कंप्यूटर लैब, एक ऑडिटोरियम, एक एनीमल हाउस, फैकल्टी रूम के साथ ही एक स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर भी होगा। इसके बाद यहां के विद्यार्थियों के पास पहले के मुकाबले ज्यादा प्रैक्टिकल नॉलेज पाने का मौका होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

भूवैज्ञानिक कांग्रेस में सत्र की अध्यक्षता करेंगे लविवि के प्रो. सराजित सेन शर्मा

लखनऊ। लविवि के लिए भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर सराजित सेनशर्मा को 37वें अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस में कन्वेनर के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह कांग्रेस 25 से 31 अगस्त के बीच तक बुसान, कोरिया गणराज्य में होने जा रही है। लविवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रो. सेन शर्मा 27 अगस्त को सुबह 8:00 बजे से 11:00 बजे तक क्रस्ट-मेंटल इंटरैक्शन थ्रू टाइम एंड द रोल ऑफ फ्लुइड्स विषय पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता करेंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. डैकीओ चेओंग ने उन्हें आमंत्रण पत्र भेजा है। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE III

लवि में श्रेष्ठ खिलाड़ियों को मिलेगा सीधे प्रवेश

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय विभिन्न खेलों के श्रेष्ठ खिलाड़ियों (आउटस्टैंडिंग स्पोर्ट्स पर्सन) को स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश देगा। लवि ने 30 अगस्त तक खिलाड़ियों को आवेदन का मौका दिया है। लवि ने प्रवेश का नोटिफिकेशन वेबसाइट पर जारी किया है।

क्रीडा परिषद के अध्यक्ष प्रो. रूपेश कुमार ने बताया कि जो भी अभ्यर्थी श्रेष्ठ खिलाड़ी कोटे के अंतर्गत सीधे प्रवेश की अर्हता रखते हैं, वह निर्धारित तिथि से पहले विश्वविद्यालय के कुलपति को अपने सभी खेल संबंधी उपलब्धियों के सत्यापित प्रमाणपत्रों के साथ प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रमाणपत्र का सत्यापन होने के साथ खेल कौशल का परीक्षण भी होगा। उसके बाद योग्य पाए जाने पर सीधे प्रवेश दिया जाएगा। अभी तक 19 अभ्यर्थियों ने स्पोर्ट्स कोटे के तहत आवेदन किया है। पिछले वर्ष 25 से अधिक विद्यार्थियों ने स्पोर्ट्स कोटे में प्रवेश लिया था।

ये होंगे पात्र

एसोसिएशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटी (एआइयू) के तहत निर्धारित खेलों के उत्कृष्ट खिलाड़ी पात्र होंगे। जिन्होंने स्टेट, नेशनल या इंटर यूनिवर्सिटी स्तर पर स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक जीता हो। इसके अलावा शूटिंग सहित कई ऐसे खेल जिसमें स्कोर दिए जाते हैं, वह भी पात्र होंगे। खिलाड़ी लवि की टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सराजित सेन कोरिया में वैज्ञानिक सत्र की करेंगे अध्यक्षता

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग के प्रो. सराजित सेन शर्मा को 37वें अंतरराष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक कांग्रेस (आइजीसी) में मुख्य संयोजक के रूप में आमंत्रित किया है। सात दिवसीय यह आयोजन 31 अगस्त तक बुसान, कोरिया गणराज्य में होगा। मुख्य संयोजक के रूप में प्रो. सेन शर्मा 27 अगस्त को समय के साथ क्रस्ट-मेंटल इंटरैक्शन और तरल पदार्थों की भूमिका पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता करेंगे। आइजीसी की आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. डैकीओ चेओंग ने अपने आमंत्रण पत्र में प्रो. सेन शर्मा की विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि पर विश्वास जताते हुए कहा कि वह चर्चाओं में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। साथ ही भू-विज्ञान में प्रभावशाली शैक्षणिक आदान-प्रदान और प्रगति के लिए एक जीवंत वातावरण को प्रोत्साहित करेंगे। अंतरराष्ट्रीय भूवैज्ञानिक विज्ञान संघ (आइयूजीएस) दस लाख से अधिक भू-वैज्ञानिकों का प्रतिनिधित्व करता है। दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक संगठनों में से एक है।

एम.सीए प्रथम सेमेस्टर के लिए अब 28 तक आवेदन

जासं • लखनऊ : लवि के इंजीनियरिंग संकाय में संचालित बी.टेक व एम.सीए प्रथम सेमेस्टर में खाली सीटों के सापेक्ष सीधे प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि 28 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने बताया कि उ प्र टेक्निकल एडमिशन काउंसिलिंग के माध्यम से जिन्हें लवि में बी.टेक, एमसीए कोर्स में सीटें आवंटित हुई हैं, उनकी फिजिकल रिपोर्टिंग 29 अगस्त से चार सितंबर तक होगी। उन्होंने बताया कि बी.फार्मा प्रथम वर्ष, लेट्रल एंट्री के माध्यम से बी.टेक व बी.फार्म की खाली सीटों पर प्रवेश के लिए 10 सितंबर तक आवेदन लिए जाएंगे।

HINDUSTAN PAGE 8

प्रो.सराजित भूवैज्ञानिक कांग्रेस के कन्वीनर होंगे

लखनऊ। एलयू के भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर सराजित सेन शर्मा को 37वें अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस में कन्वीनर के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह कांग्रेस 25 से 31 अगस्त तक बुसान, कोरिया समें हो रही है। वह 27 अगस्त क्रस्ट-मेंटल इंटरैक्शन थ्रू टाइम एंड द रोल ऑफ फ्लुइड्स पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता करेंगे। आईजीसी 2024 आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो.डैकीओ चेओंग ने अपने आमंत्रण पत्र में प्रो.सेन शर्मा की विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि पर विश्वास जताया है।

THE PIONEER PAGE 2

LU prof to deliver talk at IGC in Busan

Lucknow (PNS): Prof Sarajit Sensarma from the department of geology at Lucknow University has been invited to serve as a convenor at the 7-day 37th International Geological Congress (IGC), which kicked off in Busan, Republic of Korea, on Sunday (August 25).

"Prof Sensarma will act as the lead convenor and chair a scientific session titled 'Crust-Mantle Interactions Through Time and the Role of Fluids' on August 27. He will also deliver a talk. In his invitation letter, Prof Daekyo Cheong, Chairman of the IGC 2024 Organising Committee, expressed confidence in Prof Sensarma's expertise and insights. Prof Cheong highlighted that Sensarma's contributions would greatly enrich the discussions and foster a dynamic environment for impactful academic exchanges in geosciences. He noted that this invitation is a personal recognition of Professor Sensarma's distinguished standing in the field, referring to the IGC as the 'Olympic Games of Geoscience,'" LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

The International Union of Geological Sciences (IUGS), representing over a million geoscientists, is one of the largest scientific organisations. It promotes global cooperation and participation in Earth sciences, particularly in relation to human welfare, and is a member of the International Science Council.

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

वेबसाइट का प्रबंधन, संरचना और सुरक्षा का सिखाया कौशल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में प्लेसमेंट सेल एवं एडब्ल्यूएस क्लाउड क्लब द्वारा एडब्ल्यूएस

एलयू प्लेसमेंट सेल ने किया कार्यशाला का आयोजन

वेबसाइट डेवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य छात्रों को अमेजॉन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के माध्यम से वेबसाइट का प्रबंधन, सरंचना और सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल सिखाना था। वर्कशॉप की शुरुआत में अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ.हिमांशु पांडेय ने मुख्य वक्ता एडब्ल्यूएस की विशेषज्ञ ओमश्री बुतानी एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने बताया कि कैसे एडब्लूएस (अमेज़न वेब सर्विसेज) सेवाओं का उपयोग हम रोजमर्रा की जिंदगी में विभिन्न वेबसाइटों और एप्लिकेशनों के माध्यम से अनुभव कर रहे हैं। डॉ.हिमांशु ने बताया कि सभी बड़ी ई-कॉमर्स वेबसाइट्स होस्टिंग, स्केलेबिलिटी और कंटेंट डिलीवरी के लिए एडब्लूएस का उपयोग करती हैं। नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम वीडियो और डिज्नी प्लस जैसी वीडियो स्ट्रीमिंग सेवाएं एडब्लूएस की कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क सेवाओं का उपयोग करती हैं ताकि वीडियो स्ट्रीमिंग तेजी से और बिना रुकावट के दर्शकों तक पहुंचाई जा सके। लिंकडिन और पिंटरेस्ट जैसी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स डेटा स्टोरेज, बैकअप और स्केलेबिलिटी के लिए एडब्लूएस का उपयोग करती हैं। इसी प्रकार, आईसीआईसीआई बैंक और पेटीएम ऑनलाइन बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं की सुरक्षा और ट्रांजेक्शन प्रोसेसिंग के लिए एडब्लूएस का उपयोग करती है। एडब्लूएस शील्ड जैसी सेवाएं इन प्लेटफार्म्स को साइबर खतरों से सुरक्षित रखने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि एडब्लूएस सेवाएं हमारी डिजिटल जिंदगी में कितनी गहराई से शामिल हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में तेजी, सुरक्षा और विश्वसनीयता मिलती है।

वेबिनार की मुख्य वक्ता एडब्ल्यूएस की विशेषज्ञ ओमश्री बुतानी ने अपने अनुभव और ज्ञान के साथ प्रतिभागियों को एडब्ल्यूएस की सेवाओं को प्रभावी ढंग से उपयोग करने के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया।

प्रो. सराजित 37वें अंतर्राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक कांग्रेस की करेंगे अध्यक्षता

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व की बात है कि भूविज्ञान विभाग के प्रो.सराजित सेनशर्मा को

लविवि में भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर है सराजित सेन शर्मा

37वें अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (आईजीसी) में कन्वेनर के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह कांग्रेस 25 से 31 अगस्त तक बुसान, कोरिया गणराज्य में आयोजित होने जा रही है। प्रो.सेनशर्मा जो भूविज्ञान के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व हैं, मुख्य कन्वेनर होंगे और 27 अगस्त को सुबह 8 बजे से 11 बजे तक क्रस्ट-मेंटल इंटरैक्शन थ्रू टाइम एंड द रोल ऑफ फ्लुइड्स पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता करेंगे। वह एक वार्ता भी प्रस्तुत करेंगे,जिसे आईजीसी-2024 के आयोजक मानते हैं कि कांग्रेस के कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान देगा।आईजीसी-2024 की आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो.डैकीओ चेओंग ने अपने आमंत्रण पत्र में प्रो.सेनशर्मा की विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि पर विश्वास जताया है। साथ ही कहा है कि वे चर्चाओं में महत्वपूर्ण योगदान देंगे और भूविज्ञान में प्रभावशाली शैक्षणिक आदान-प्रदान और प्रगति के लिए एक जीवंत वातावरण को प्रोत्साहित करेंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 5

भूविज्ञान प्रोफेसर कोरिया में करेंगे अध्यक्षता

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर सराजित सेन शर्मा को 37वें अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (आईजीसी) में कन्वेनर के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम 25 से 31 अगस्त तक बुसान कोरिया गणराज्य में आयोजित हो रही है। प्रोफेसर सेन शर्मा 27 को क्रस्ट-मेंटल इंटरैक्शन थ्रू टाइम एंड द रोल ऑफ फ्लुइड्स पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता करेंगे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 2

लविवि के भूविज्ञान प्रोफेसर 37वें अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस, बुसान, दक्षिण कोरिया में करेंगे अध्यक्षता

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के लिए यह अत्यंत गर्व की बात है कि भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर सराजित सेनशर्मा को 37वें अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (आईजीसी) में कन्वेनर के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह कांग्रेस 25 से 31 अगस्त तक बुसान, कोरिया गणराज्य में आयोजित होने जा रही है।

प्रोफेसर सेनशर्मा, जो भूविज्ञान के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व हैं, मुख्य कन्वेनर होंगे और 27 अगस्त को सुबह 8:00 बजे से 11:00 बजे तक ₹क्रस्ट-मेंटल इंटरैक्शन थ्रू टाइम एंड द रोल ऑफ फ्लुइड्स₹ पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता करेंगे। वह एक वार्ता भी प्रस्तुत करेंगे, जिसे आईजीसी 2024 के आयोजक मानते हैं कि कांग्रेस के कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

आईजीसी 2024 की आयोजन समिति के अध्यक्ष, प्रोफेसर डैकीओ चेओंग ने अपने आमंत्रण पत्र में प्रोफेसर सेनशर्मा की विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि पर विश्वास जताया है, और कहा है कि वे चचाओं में महत्वपूर्ण योगदान देंगे और भूविज्ञान में प्रभावशाली शैक्षणिक आदान-प्रदान

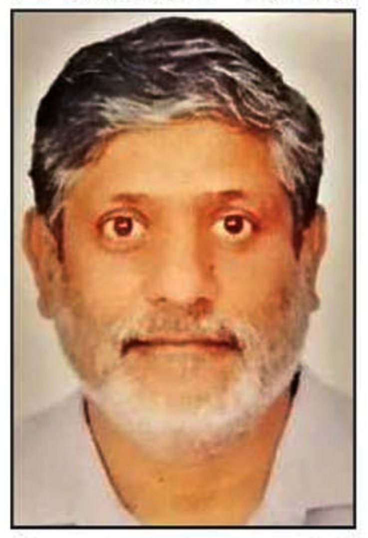

और प्रगति के लिए एक जीवंत वातावरण को प्रोत्साहित करेंगे। प्रोफेसर चेओंग ने यह भी जोर दिया कि यह आमंत्रण उनके व्यक्तिगत अनुरोध के रूप में है, जिसे भूविज्ञान के ओलंपिक खेल के रूप में स्नेहपूर्वक जाना जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक विज्ञान संघ (आईयूजीएस), जो एक मिलियन से अधिक भूवैज्ञानिकों का प्रतिनिधित्व करता है, दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक संगठनों में से एक है। यह मानव कल्याण के संबंध में पृथ्वी विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईएससी) का सदस्य है। आईसीसी एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां शोध निष्कर्षों को साझा किया जा सकता है, नए सहयोगों की शुरूआत की जा सकती है, और भूविज्ञान में नवीनतम प्रवृत्तियों पर चर्चा की जा सकती है।यह प्रतिष्ठित नियुक्ति प्रोफेसर सेनशर्मा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है और वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में लखनऊ विश्वविद्यालय की भूमिका को भी रेखांकित करती है।

LOKSATYA PAGE 2

एलयू के भूविज्ञान प्रोफेसर 37वें अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस, बुसान, दक्षिण कोरिया में करेंगे अध्यक्षता

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व की बात है कि भूविज्ञान विभाग के प्रोफेसर सराजित सेनशर्मा को 37वें अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक कांग्रेस (IGC) में कन्वेनर के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह कांग्रेस 25 से 31 अगस्त तक बुसान, कोरिया गणराज्य में आयोजित होने जा रही है। प्रो सेन शर्मा भूविज्ञान के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व हैं, मुख्य कन्वेनर होंगे और 27 अगस्त को सुबह 8 से 11 बजे तक क्रस्ट-मेंटल इंटरैक्शन थ्रू टाइम एंड द रोल ऑफ फ्लुइड्स पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता करेंगे। वह एक वार्ता भी प्रस्तुत करेंगे।

जिसे IGC 2024 के आयोजक मानते हैं कि कांग्रेस के कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान देगा। IGC 2024 की आयोजन समिति के अध्यक्ष, प्रोफेसर डैकीओ चेओंग ने

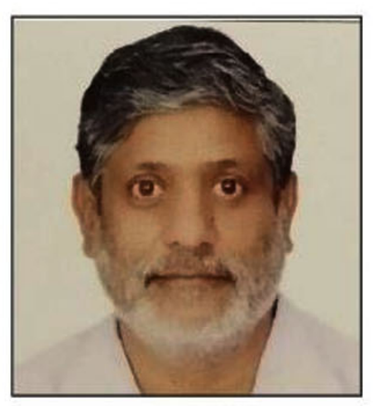

अपने आमंत्रण पत्र में प्रोफेसर सेनशर्मा की विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि पर विश्वास जताया है, और कहा है कि वे चर्चाओं में महत्वपूर्ण योगदान देंगे और भूविज्ञान में प्रभावशाली शैक्षणिक आदान-प्रदान और प्रगति के लिए एक जीवंत वातावरण को प्रोत्साहित करेंगे।

प्रोफेसर चेओंग ने यह भी जोर दिया कि यह आमंत्रण उनके व्यक्तिगत अनुरोध के रूप में है, जिसे भूविज्ञान के ₹ओलंपिक खेल₹ के रूप में स्नेहपूर्वक जाना जाता है।अंतर्राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक विज्ञान संघ (IUGS), जो एक मिलियन से अधिक भूवैज्ञानिकों का प्रतिनिधित्व करता है, दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक संगठनों में से एक है। यह मानव कल्याण के संबंध में पृथ्वी विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद (ISC) का सदस्य है। IGC एक ऐसा मंच प्रदान करता है ।

जहां शोध निष्कर्षों को साझा किया जा सकता है, नए सहयोगों की शुरुआत की जा सकती है, और भूविज्ञान में नवीनतम प्रवृत्तियों पर चर्चा की जा सकती है। यह प्रतिष्ठित नियुक्ति प्रो सेन शर्मा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है और वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में लखनऊ विश्वविद्यालय की भूमिका को भी रेखांकित करती है।

TOI PAGE 2

LU's pharma instt new bldg to open on Sep 16

Times News Network

Lucknow: After a wait of two years, Lucknow University's Institute of Pharmaceutical Sciences (IPS), founded in the year 2021, will have its new building. So far, LU's pharmacy classes were held in LU's department of engineering and technology. The newly constructed building on LU's second campus will be inaugurated by governor and chancellor, Anandiben Patel, during LU's 67th convocation ceremony on Sep 16.

The state-of-the-art building will now offer 13 high-tech research laboratories, an animal house facility that boosts academic and research environment in the emergent fields of experimental pharmacology, molecular biology and toxicology, two lecture theatre rooms, two equipment rooms, one computer lab, one auditorium, a student activity room and a faculty room.

FUTURE-READY

Features of new pharmacy building

- 13 labs
- 2 lecture theatres
- 8 classrooms
- 2 equipment rooms
- Computer lab
- Auditorium
- Animal house

Depts & Courses

- Institute offers four-year B Pharma program with 100 seats and a two-year D Pharma program with 60 seats
- Institute of Pharmaceutical Sciences has departments of pharmaceutics, pharmaceutical chemistry, pharmacology, and pharmacognosy
- Recognised by Pharmacy Council of India, New Delhi

"The vision of the institute is to establish a progressive centre of brilliance for future pharmacy professionals by synergising fundamental knowledge, skillsets, and technologies to drive the transformation of the current healthcare system," said LU vice chancellor Prof Alok Kumar Rai, adding that it aimed to facilitate innovation-oriented, interdisciplinary, multi-faceted and goal-driven research and ascertain the persistent flow of self-motivated, self-reliant and employable young pharmacy professionals.

He said the institute and two new gates at LU's second campus will be inaugurated by the governor and chancellor during LU's upcoming convocation ceremony.

LU prof to attend global geological cong in S Korea

Lucknow: Lucknow University geology professor Sarajit Sensarma will serve as convener at the 37th International Geological Congress (IGC) in Busan, South Korea. The conference will end Aug 31. He will also present a talk which the IGC 2024 organisers believe will add significant value to the congress's programme. "Prof Sensarma will be the lead convener and will chair a scientific session on 'Crust-Mantle Interactions Through Time and the Role of Fluids' on August 27 from 8 am to 11 am. He will also present a talk, which the IGC 2024 organisers believe will add significant value to the congress's programme," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. TNN